हिमाचल प्रदेश तेरहवीं विधान सभा

पंचम सत्र

<u>समाचार भाग-1</u>

संख्याः 45

शुक्रवार, 15 फरवरी, 2019/26 माघ, 1940(शक्)

सदन की कार्यवाही का संक्षिप्त अभिलेख

समयः 11.00 बजे (पूर्वाह्न)

सदन की बैठक माननीय अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिन्दल की अध्यक्षता में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

शोकोद्गार

दिनांक 14 फरवरी, 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों (CRPF) पर हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों के प्रति श्रद्धांजलि।

माननीय मुख्य मंत्री ने निम्न शब्दों में अपने शोकोद्गार प्रकट किएः-

"माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछले कल दिनांक 14.02.2019 को जम्मू-कश्मीर में सी.आर.पी.एफ. की 78 गाड़ियों का काफिला जो जम्मू से श्रीनगर की ओर जा रहा था, उस काफिले में 2500 से अधिक जवान थे। मुझे इस सदन में यह सूचित करते हुए दुःख हो रहा है कि जम्मू-कश्मीर हाई-वे पर पुलवामा जिला के लेथपोरा में सी.आर.पी.एफ. की 54वीं बटालियन की गाड़ी को निशाना बनाया गया जिसमें 42 जवान शहीद हुए तथा 20 अन्य जवानों के घायल होने की सूचना है। इस घटना में सी.आर.पी.एफ. के जवान श्री तिलक राज सपुत्र श्री लायक राम, निवासी धेवा (Dhewa), तहसील ज्वाली, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश जो अभी 11 फरवरी, 2019 को घर से छुट्टी काट कर गया था, भी शहीद हो गया। घटना जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर नेशनल हाई-वे पर अपराह्न सवा तीन बजे घटी है। फिदायन हमलावर ने विस्फोटक भरी कार को काफिले की बस से टकरा

दिया जिसके विस्फोट से बस के परखचे उड़ गए। चारों ओर बस के टुकड़े तथा मलवा पड़ा नजर आ रहा था। इस हमले की जिम्मेवारी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली है। पुलिस द्वारा आत्मघाती वाहन को चला रहे मानव बम की शिनाख्त कर ली गई है। उस आतंकवादी का नाम आदिल अहमद डार है जो पुलवामा जिला के काकापोर इलाके का रहने वाला है। वह वर्ष 2018 में आतंकी संगठन जैशे-ए-मोहम्मद में शामिल हुआ था। घटना के तुरंत बाद सेना, पुलिस और सी.आर.पी.एफ. के आला अधिकारी मौके़ पर पहुंचे और घटना स्थल को सील कर स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा बलों द्वारा आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल पर फोरैंसिक तथा बम निरोधक दस्ते की टीम भी पहुंच गई है और साथ ही सारे इलाके को घेर कर लोगों से पूछताछ की जा रही है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इस घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है।..... आज आदरणीय प्रधान मंत्री जी की अध्यक्षता में दिल्ली में बहुत महत्वपूर्ण बैठक चल रही है। आज पूरे देश भर से एक बात को ले करके एक स्वर में आवाज उठ रही है कि पाकिस्तान के ख़िलाफ़ कठोर और कड़ी-से-कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।..... माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस माननीय सदन के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त करता हूं कि यह प्रदेश आदरणीय प्रधान मंत्री जी के साथ है और जिस प्रकार की यह घटना घटित हुई है। इस घटना का पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की आवश्यकता है। उसमें हमारा प्रदेश माननीय प्रधान मंत्री जी के साथ चट्टान की तरह खड़ा होगा। जो लोगों की भावना पूरे देश में है वही भावना पूरे हिमाचल प्रदेश की भी है।..... मैं उम्मीद करता हूं कि हमारे देश का नेतृत्व बहुत सक्षम है। वह सारी बातों को विचार करने के बाद जो निर्णय लेगा उस निर्णय में हम अपने को उनके साथ खड़ा करेंगे। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक बार फिर से जो जम्मू-कश्मीर में पिछले कल सी.आर.पी.एफ. के जवानों के ऊपर आतंकवादी हमला हुआ है उसकी भर्त्सना करता हूं।.... माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वाभाविक रूप से हमारे देश को अस्थिर करने वाली ताकतें जो वर्षों से इस प्रकार के कार्य को अंजाम दे रही हैं, वह कभी कामयाब नहीं होंगी। जितने भी हमारे जवान शहीद हुए हैं उनके प्रति मैं अपनी सांत्वना व्यक्त करता हूं और श्रद्धांजलि देता हूं। ईश्वर उनके परिवारजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे। हिमाचल प्रदेश के जवान श्री तिलक राज सुपुत्र श्री लायक राम, जिसकी हमले में शहीद होने की पुष्टि हो चुकी है, मैं उसको श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ उनके परिवार को इस दुःख को सहन करने के लिए प्रार्थना करता हूं।.... हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से उन्हें 20.00 लाख रुपये एक्सग्रेशिया ग्रांट के रूप में देने की भी मैं यहां पर घोषणा करता हूं।"

श्री मुकेश अग्निहोत्री नेता प्रतिपक्ष ने निम्न शब्दों में अपने उदगार व्यक्त किएः-

"आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने बीते कल हुई आतंकवादी घटना में शहीद हुए जवानों के प्रति जो शोक प्रस्ताव इस सदन में लाया है, इसमें मैं कांग्रेस विधायक दल को भी शामिल करता हूं। श्रीनगर के नजदीक पुलवामा में अवंतिपुरा के गौरीपुरा इलाके में जो घटना घटित हुई, उस घटना ने राष्ट्र के सामने बहुत बड़ी चुनौती दी है। जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन ने मानव बम को अपनाते हुए सी0आर0पी0एफ0 के काफिले पर हमला किया और इसमें हमारे 42 के करीब जवान शहीद हुए हैं। इसमें काफी लोग घायल भी हुए हैं। इससे पहले भी 18 सितम्बर, 2018 को उड़ी सैक्टर में सेना के मुख्यालय पर हमला हुआ था लेकिन यह उससे भी बड़ी घटना घटित हो गई है। उड़ी घटना की पूरे राष्ट्र में चर्चा एवं घोर निंदा हुई थी और राष्ट्र में आक्रोश फैला था क्योंकि उसमें सेना के मुख्यालय पर हमला हुआ था और 20 जवान शहीद हो गए थे। अब उसके दो-अढ़ाई साल के बाद फिर से सैनिकों को निशाना बनाया गया है। आतंकवादी लगातार सैनिक मुख्यालयों व ठिकानों और सेना को अपना निशाना बना रहे है। यह बहुत बड़ी चिंता की बात है कि जो लोग हमारी और राष्ट्र की सुरक्षा कर रहे हैं, इस समय आतंकी संगठनों का सारा निशाना उन्हीं पर है..... पूरे देश में जहां इस घटना की निन्दा हो रही है वहीं आक्रोश का वातावरण है। इनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। ..... इस घटना में भी कांगडा के शहीद तिलक राज जी, जोकि ज्वाली से हैं, वो अभी छुट्टी काट कर वापिस गए थे और इस काफिले में थे, वो भी शहीद हो गए हैं। सभी शहीद हुए जवानों को जहां हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वहीं इस माननीय सदन के माध्यम से हम पूरे राष्ट्र से कहना चाहते हैं कि हम देश की सेनाओं के साथ हैं, दुःखी परिवारों के साथ हैं। हम जहां शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं वहीं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना करते हैं। केन्द्र सरकार से आग्रह करते हैं कि इस मामले को गम्भीरता से लें और खास तौर पर सैन्य ठिकानों और सेनाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठाए जाएं। जो लोग, जो ताकतें देश को चुनौती दे रहे हैं, उनको मुहंतोड जवाब दिया जाए।"

निम्नलिखित ने भी अपने शोकोद्गार व्यक्त किएः-

1. **श्री महेन्द्र सिंह, सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मन्त्री**
2. **श्री राकेश सिंघा**
3. **श्री वीरभद्र सिंह**
4. **कर्नल इन्द्र सिंह**
5. **डा0 (कर्नल) धनी राम शांडिल**

6. श्री राकेश पठानिया
7. श्री विक्रमादित्य सिंह
8. श्री सुरेश कुमार कश्यप
9. श्री नन्द लाल
10. श्री बिक्रम सिंह जरयाल
11. श्री आशीष बुटेल
12. श्री गोविन्द सिंह ठाकुर, वन मंत्री
13. श्री लखविन्द्र सिंह राणा

माननीय अध्यक्ष द्वारा शोकोद्गार

"14 फरवरी, 2019 को दोपहर बाद 03.15 बजे जम्मू कश्मीर के पुलवामा क्षेत्र में जो बरबर्तापूवर्क फिदाइय हमला हुआ उसमें हमारे 42 जवान शहीद हो गये और अनेक जवान गम्भीर रूप से घायल हुए हैं। इस शोक की घड़ी में माननीय सदन के नेता द्वारा जो प्रस्ताव इस माननीय सदन में लाया गया है जिसपर सदन के अनेक माननीय सदस्यों ने अपने उद्गार प्रस्तुत किये, मैं भी अपने आपको इस शोक की घड़ी में उन उद्गारों के साथ शामिल करता हूं।

ठीक कहा कि भारत की सैन्य शक्ति; भारत के सैनिकों का मनोबल ऊँचा है। लगातार हुए युद्धों में पाकिस्तान ने भारत की सामरिक शक्ति को अच्छे से टैस्ट किया, चाहे वह 1965 का युद्ध हो या 1971 का युद्ध हो। श्रीमती इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में 1971 के युद्ध में भारत की सेना ने जिस तरह से पाकिस्तान के दो टुकड़े किए, मुझे स्मरण है कि उस समय पूरा देश प्रधानमन्त्री जी के साथ चट्टान की तरह खड़ा था और भारत इस युद्व में सफल हुआ। श्रद्धेय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उनको रणचण्डी की संज्ञा दी। उसके पश्चात पाकिस्तान ने प्रोक्सी वार यानी छद्म युद्व को अपना हथियार बनाया। 1980 से लेकर आज तक लगभग 39 वर्षों से जम्मू-कश्मीर छद्म युद्व को झेल रहा है। मेरे देश के जवानों ने सीमाओं की रक्षा के लिए अपने जीवन को होम किया। एक अनुमान के अनसुार लगभग 70,000 सैनिकों ने इन 40 वर्षों में सीमाओं की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। मेरे देश का पूर्वांचल - नागालैण्ड, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम आदि क्षेत्र अलगाववाद के साथ उसी प्रकार से जूझ रहा था जिस प्रकार आज कश्मीर जूझ रहा है। मोदी सरकार के विहंगम प्रयासों से आज पूर्वांचल भारत की मुख्य धारा के साथ जुड़ा हुआ दिखाई देता है; विकास की गति में देश के साथ जुड़ा हुआ दिखाई देता है। भारत का मध्यभाग जो माओवाद की गतिविधियों में पूरी तरह से लगा हुआ था, वहाँ भी हमारे देश के सुरक्षा बलों ने भारी कामयाबी हासिल की है। कश्मीर में भी पिछले दिनों आतंकवादियों का सर्वाधिक सफाया हुआ है परन्तु पाकिस्तान के साथ और अधिक ज़ोर व शक्ति के साथ डील करने की अवश्यकता है। हमारे देश का नेतृत्व इस मामले में

सक्षम है। हमारी सेना, हमारी मिलिटरी फोर्सिस, हमारी पैरा-मिलिटरी फोर्सिस पूरी तरह से सक्षम हैं। परन्तु यह जो बरबर्तापूर्वक हमला हुआ है जिसमें हमारे 42 जवान शहीद हुए हैं, यह बहुत दुखःदायी और बहुत कष्टदायी है। इससे पूरा देश सन्न है, पूरा देश व्यथित एवं क्रोधित है और इस समय मेरा यह विधान सभा परिसर भी शोकमय है। हम इस शोक की घड़ी में उन परिवारों के साथ खड़े हैं। हम दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए प्रार्थना करते हैं और जहां प्रभु उनको शक्ति प्रदान करे, वहीं यह मेरा भारत दुनिया में शक्तिशाली भारत बनकर उभरे, दुनिया के अंदर ताकतवर और विकासोन्मुख भारत बनकर उभरे। भारत आगे बढ़ रहा है, दुनिया की पड़ोसी ताकतें उसे रोकने का प्रयास कर रही हैं। मेरा मानना है कि यह नियति है कि यह सदी भारत की सदी है। दुनिया इसको कितना भी रोकना चाहेगी, रोक नहीं सकेगी। मेरे देश का प्रत्येक भारतवासी, 125 करोड़ देशवासी देवी-देवता स्वरूप हैं। वे एक होकर इसकी रक्षा के लिए और इसके विकास के लिए अपना सर्वस्व होम करेंगे।"

(दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए सभा-मण्डप में खड़े होकर कुछ क्षणों के लिए मौन रखा गया।)

माननीय मुख्य मंत्री ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया कि इन शहीदों के सम्मान में आज की दिन भर की कार्यवाही को स्थगित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकार।

माननीय अध्यक्ष द्वारा सूचना

"माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा हिमाचल प्रदेश विधान सभा के माननीय सदस्यों के सम्मान में आज दिनांक 15 फरवरी, 2019 को दिए जाने वाले रात्रिभोज को कश्मीर में हुए आतंकी हमले के कारण रद्द कर दिया गया है।"

(दिन के लिए निर्धारित तारांकित/आतारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर कार्यवाही का भाग बने।)

12.20 बजे अपराह्न सदन की बैठक शनिवार, 16 फरवरी, 2019 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित हुई ।